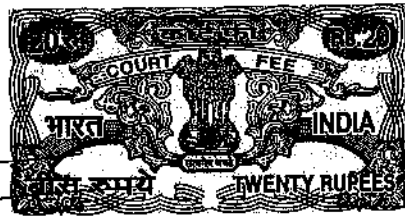


(13)



आपालप राजसु मण्डल मध्य प्रदेश, उज्जयिणर २१/११-१०३८५५५
१९६६ विविधारे स्टोरेज

दिनांक ३-३-१६
को प्रमाण के अभाव में
कामि ५१८ उज्जयिणर

वावू नारै शुकुम अन्ना - अधीनस्थ
विद्वान् अधीनस्थ

गिरधारी लाल शुकुम अन्ना - अधीनस्थ

जिला उज्जयिणर के ए. डी. उच्च न्यायालय १९४६ की मर्यादा
(डॉ. मधु खरे, सदस्य) के पुनरस्थापन हेतु आवेदन
पत्र अंतर्गत मद्रास संहीत १९५९

३-३-१६
५०

अध्याय
अ.अ.१६
श्रीमान्

प्रार्थना पत्र निम्नानुसार (उत्तर)

- १) यह कि उपरोक्त प्रकरण आज सुनवाई हेतु पेशी निपट की प्रार्थना
गण के अति माघक इस के अन्वेषी के अन्वेष प्रकरण आचनीय
न्यायालय में निपट की
- २) यह कि अति माघक मलेदप इस आचनीय न्यायालय की खण्डपीठ
के व्यस्त होने के कारण ससमय आचनीय न्यायालय में उपस्थित
नही हो सके। अनुपस्थिति सदभागत प्रकीर्णन शिकाये गये
- ३) यह कि अति माघक मलेदप की गुरि के कारण प्रकरण के
वर्षित किफ जाना न्यायेचित नही है।
- ४) यह अति माघक मलेदप द्वारा आचनीय न्यायालय के भी
भौतिक दण से अनुपस्थिति का कारण निवेदन विवर्तित
- ५) यह कि प्रकरण पुनरस्थापित किफ जाना न्यायेचित है।

आहु यद आवेदन पत्र उत्तर के (निवेदन)

यदि न्यायालय में ए. डी. उच्च न्यायालय - मी. १९४६ पुनरस्थापित किफ
जाने वावत प्रदेश जान किफे जान की एक की जावे।

दिनांक ३/३/६६

(Handwritten signature)

अधीनस्थ
वावू नारै शुकुम अन्ना - अधीनस्थ
द्वारा अति -

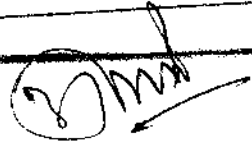
अध्याय
अ.अ.१६

रेसो 9035-III | 16 दिना 3 भा (4)

33-16

प्रस्तुतकार
डी एस डी. ठाकुर
कमिश्नर की रेसो रेसो
पर युना गया। शिफ्ट क कमि
का रेसो रेसो कावे इन

[पीछे देखिये]



22.2.20 9035-III/16 दिनांक 22/2/20

समय सीमा में उल्लूक किया गया है। ब्रेकथ्रू रेशन काफ़ी डन स्वीकार किया जाता है। अन्न निज रानी सुनवाई रण मिश्रण के बिसे पुनः नया जा की जाती है। प्रवाण दायित्व रिकार्ड- री।

(8) 

(7) 
22/2/20